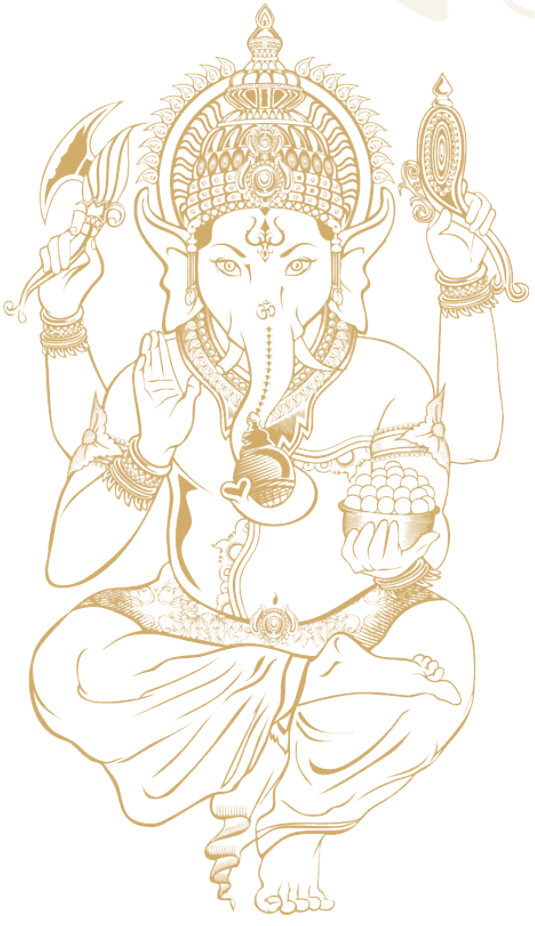

Ms. Ankur Rai

Mr. Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120460607

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/09/1993	जन्म तिथि	28/02/1997
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:40:00	जन्म समय	23:30:00 घंटे
घटी 07:50:46	जन्म समय(घटी)	43:13:38 घटी
India	देश	India
Bihar Sharif	स्थान	Kanpur
25:07:00 उत्तर	अक्षांश	26:28:00 उत्तर
85:25:00 पूर्व	रेखांश	80:41:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:40	स्थानिक संस्कार	-00:07:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:31:41	सूर्योदय	06:32:21
17:59:57	सूर्यास्त	18:07:39
23:46:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:03

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 6मा 27दि	03:20:10	तुला	लग्न	तुला	28:22:56	गुरु 8वर्ष 1मा 28दि
राहु	21:42:49	सिंह	सूर्य	कुंभ	16:22:27	बुध
06/04/2011	08:43:18	वृष	चंद्र	तुला	26:31:58	28/04/2024
06/04/2029	23:37:08	कन्या	मंगल व	कन्या	08:48:24	28/04/2041
राहु 17/12/2013	00:26:32	कन्या	बुध	कुंभ	07:12:20	बुध 25/09/2026
गुरु 12/05/2016	22:45:50	कन्या	गुरु	मक	14:55:51	केतु 22/09/2027
शनि 19/03/2019	19:55:47	कर्क	शुक्र	कुंभ	08:09:34	शुक्र 23/07/2030
बुध 05/10/2021	01:46:50	कुंभ व	शनि	मीन	12:43:55	सूर्य 29/05/2031
केतु 24/10/2022	12:50:52	वृश्चि व	राहु	कन्या	05:00:04	चन्द्र 28/10/2032
शुक्र 24/10/2025	12:50:52	वृष व	केतु	मीन	05:00:04	मंगल 25/10/2033
सूर्य 17/09/2026	24:36:35	धनु व	हर्ष	मक	12:47:07	राहु 13/05/2036
चन्द्र 18/03/2028	24:44:01	धनु व	नेप	मक	05:07:39	गुरु 19/08/2038
मंगल 06/04/2029	29:19:00	तुला	प्लूटो	वृश्चि	11:46:01	शनि 28/04/2041

लग्न-चलित

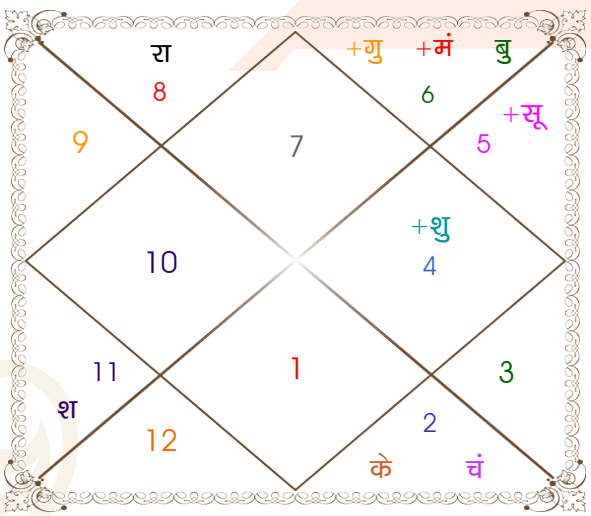

लग्न-चलित

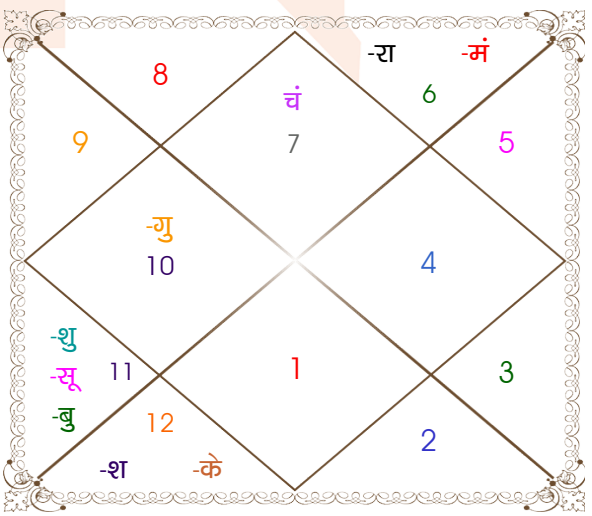

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Ms. Ankur Rai का वर्ग गरूड़ है तथा Mr. Shivani का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ms. Ankur Rai और Mr. Shivani का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Ms. Ankur Rai मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. Ankur Rai कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. Ankur Rai कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. Shivani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shivani कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. Shivani कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Shivani कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. Shivani कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ms. Ankur Rai तथा Mr. Shivani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।